

Need to increase honorarium of Anganwadi workers

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): सभापति महोदय, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास के अन्तर्गत देश में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कार्य करती हैं और राज्य सरकार इसकी देखरेख करती है।

केन्द्र सरकार की आंगनबाड़ी योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों के विकास हेतु कार्य करने के साथ-साथ आंगनबाड़ी स्कूल के संचालन का भी कार्य इनके तहत होता है। अतः इनका सामाजिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण कार्य है, किन्तु ये काफी कठिन परिस्थितियों में अपना कार्य करती हैं। उचित संसाधनों का आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अभाव है। जितनी राशि की और सामग्री की जरूरत है, वह पूरी नहीं होती है। इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी केन्द्र टूटे-फूटे घरों से संचालित होते हैं।

इनके द्वारा कठिन परिस्थितियों में किए जा रहे कार्यों के दृष्टिकोण से इनका मानदेय काफी कम है। आज आसमान छूती मंहगाई के समय में आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय कम से कम 15 हजार रुपये प्रतिमाह और सहायिका का मानदेय 10 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित करने की नितान्त आवश्यकता है।

माननीय मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने उनकी पीड़ा को समझते हुए बिहार राज्य में आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 3,000 रुपये से बढ़ाकर 4,500 रुपये और आंगनबाड़ी सहायिका का 2250 रुपये से बढ़ाकर 3500 रुपये करने का काम किया है। इसका वित्तीय भार भी राज्य के ऊपर पड़ रहा है। बिहार के साथ-साथ देश में आंगनबाड़ी सहायिका एवं सेविका अपने स्तर से मानदेय बढ़ाने के लिए आंदोलन करती आ रही हैं।

ऐसी परिस्थिति में आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका का मानदेय क्रमशः 15 हजार रुपये एवं 10 हजार रुपये प्रतिमाह करने की इनकी उचित माँग को जल्द से जल्द लागू किया जाए।